

শ্রুব'র্ছ্র' ব্রু ঘরি'র্ক্রবা'বাধ্যম'ট্রী'র্শুম্



SY	ळेॅया याद्यत्	न्धेर 'च ह न्।
A 1	क्रैब्र.यर्चर.(H)	म् अ.र्न्थ.क्र्य.विशेट.र्न्थ.मेश.राध्य.राध्य.वि.र्वाय.वायट.वी.
	क्रैब.तर.यधेट.तो(б)	351
	to explain in detail or extensively	
A2	चगात:त्रःच्या	यट्यामुर्यागुर्याक्र्याक्ष्याक्ष्याय्याय्याय्याय्याय्याय्याय्याय्याय्य
	the first [set of] teachings,	지会・後刻・子・烈・ コガス・ケケー・ガ・ きょう カ・カー・ カー・
	the first [turning of the]	तर्षिर-८८-र्रे थट- बेर-की-र्रि
	wheel of <i>Dharma</i>	
A3	पदेव प्रविदे केंबा प्रविद्य	यट्याम्याम्यात्र्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्र
	the teaching/turning of the wheel of	८८.स्.पत्रवाषात्रायपुर्याचेष्याचित्रवाश्चीतात्राच्या
	Dharma	
	regarding the Four [Noble] Truths	
A4	বশ্বেম্বা	यट्य.मैय.ग्रीय.पत्याय.तपु.यट्रेय.त.यबु.वीशेट्य.क्र्र.
	the second [set of] teachings,	ては、美女、は、一般では、一般では、一般で、一般ないない。
	(lit. the middle [set of] teachings)	पट्ने प्राचित्र विश्व क्ष्मित्र विश्व क्ष्मित्र क्ष्मित्र क्ष्मित्र क्ष्मित्र क्ष्मित्र क्ष्मित्र क्ष्मित्र क्ष



		य:बेर:ग्री:थॅ८:रे८।
A5	বস্ব'অপ্রব'অ। the third [set of] teachings (lit. the last [set of] teachings)	विश्वास्त्राध्याध्याध्याध्याध्याध्याध्याध्याध्याध्य
A6	স্থ্য'বস্থ্য'শ্ৰী'বস্ধ্য'ঘ the Truth of Suffering	मुत्रम. २४ . घमम. २८ . क्रियो. यक्रजा. जम. घर. यर. सूर्य
A7	গুৰ'নহুদ'লী'নদ্ৰ'ম্ the Truth of Origin [of suffering]	ग्रीव.पर्वीट.बुर.व.र्ज्ञवा.यज्ञल.क्ट.का.पर्वीट.बा.टु.जा.बुर.ग्री.
A8	ন্ব্যাস্থ্য বাদ্ধি বাদ্ধি বাদ্ধি Truth of Cessation [of suffering]	तर्च्यान्यः स्वर्त्तः स्वर्त्यः स्वर्त्यः स्वर्त्यः स्वर्त्यः स्वर्त्यः स्वर्त्यः स्वर्त्यः स्वर्त्यः स्वर्त्यः
B1	নেঅ'শ্রী'নান্ব'না the Truth of the Path	ग्री. भेषार्यात्रे. जात्रा चेरा क्षी. लूटी राज्य स्था निर्मा
B2	বাজন্য ব্যবস্থা ব্যব্দ বিশ্ব	वित्रस्य विश्वास्त्रः स्वास्त्रः स्वास्त्रः स्वास्त्रः स्वास्त्रः स्वास्त्रः स्वास्त्रः स्वास्त्रः स्वास्त्रः स
В3	ন্র্বিম্বা samsara, cyclic existence	बेंबबान्डव्रक्ट्रां व्यादिव्यायायाः व्याप्य व्याप्य व्याप्य व्याप्य व्याप्य व्याप्य व्याप्य व्याप्य व्याप्य व्य
B4	স্ত্রু'ন্ব'ঝ্র'ন্ব্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্	म्यायाय में व्याप्त विष्यायाय प्राप्त विष्यायाय विष्यायाय विष्यायाय विष्यायाय विष्यायाय विष्यायाय विष्यायाय वि
B5	কু'ব্দ'ন্থ্ৰম'ন্ত্ৰ cause(s) and result(s)	ल्ट्रम्प्त्रम्। व्यम्प्तुःर्क्ट्रम् कुःयम्युः



В6	원도·원	ईवा.यर्ज्ञत.क्ट.थ.झट.चे. <u></u> प्टी
	what is to be given up or abandoned	<u> </u>
B7	일회회·외·경·월드·일	चिट.क्य.ग्री.श्रंश्रं त्रिट.ह्रे.ट्र.क्ट्र.चे.श्रं त्रेश्वराश्रु.व्यट.चे.रूटी
	what is to be practiced or adopted	
C1	नेराष्ट्रेवः (नेषार्याणीःषार्रेषाः मुःष्ट्रेवःष)	वृद्ययाचेत्र गार्स्ट चें पे पे शेषा रचा ग्री प्यर ध्रित पे रेप्
	abr. of <i>prajnaparamita</i> /	
	Perfection of wisdom	
C2	위 ^고 교·정	に築、製み、型山、イは、岩口が、ゴムをお、道、山上、首と、めて、首と、
	in the context of	गर्हेट कु र्थेट अ रेट्।
	रटावी दि र्वेषा अः शुवाया	<u> </u>
C3	not established by their own essence	वि'र्दे'र्वेष'अ'शुप'प'रेट्'डेर'विरुप्य'प'रेट्।
C4	रट'वी'अर्ळव्'वेट्'ग्रीब'अ'श्रुच'या	रट वीषाट वेंबा अ शुपाया बेर या प्राप्त र र वी अर्ळव की प्र
	not established by their own	ग्रीमामामान्यायान्यान्यान्यान्यान्यान्यान्यान्यान
	characteristics	
C5	क्ट्रॅंट ⁻ प ⁻ नेन्	क्ट्रॅंट य नेट ग्री देव द्वा दे द्वे के क्षेट यदे वाहेट वर्ष
	emptiness (skt. Shunyata)	रेट्-प्रमुण
C6	च र्में प स्प्र पित	चि.मूर्ट.संट.संप्ट.संट्र.संट्य.मैथ.ग्री.चेय.स्टा.क्षेट.स्.वर्षेट.
	Vulture Peak (near Rajgir, India)	रादे ग्वरा सकेत र्थे रेवा सेन्।



C7	ন্র্বিম'ন্ত্রন'ন্থিমজ'ন্বন্। the retinue of bodhisattvas	ब्दाःब्रेब्रगःग्रेबःवेबःस्यःब्रेटःसःगब्दियःदुवःतिव्यःस्य
C8	লৈ retinue of bodinsativas বিদ্যুদ্যা Dipamkara	र्द्रन्'ब्रुट्य'च्चिट'कुच'सेसय'ट्यट'ठेय 'सेट्
C9	ম্ব'রেন্ত্র্র্ম্ Subhuti	र्या तर्चित्र चेत्र त्यापा है स्वरूष कुष ग्री त्रुव पुर विष्ट्री विष्ट्री
C10	ম্ন্ ই the set of <i>sutras</i>	यर्ट्, इं. चुर. तवा. ट्रे. यह्य. क्वी. तश्च त. त. तक्षेत्र. क्वी. त्र्री व्यट्ट. इं. चुर. तवा. ट्रे. यह्य. क्विय. ग्वी. तथा. तक्षेत्र. क्वी. त्र्री
D1	অই ই থেন সাম বা প্রবাধান। Lankavatara Sutra, "Descent into Lanka Sutra"	अर्द्र तिर्ने स्वर्त्त क्षेत्र क्षेत्र स्वर्ता तिर्ने त्या त्येत्र स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्ति स्वर्त्त स्वर्त स्वर्ति स्वरत्त स्वर्ति स्वर्ति स्वर्ति स्वर्ति स्वर्ति स्वर्ति स्वर्ति स्वरत्त स्वर्ति स्वर्ति स्वर्ति स्वर्ति स्वरत्ति स्वर्ति स्वर्ति स्वरत्ति स्वर्ति स्वरत्ति स्वर्ति स्वरत्ति स्वरत
D2	ন্দ্ৰিশ্বশ্বস্থান্ত্ৰীদ্ৰাহ্যা Tathagatagarbha, sugata-essence, Sugatagarbha, buddha-nature	स्त्रम् च्रम्न्द्रम् स्त्रम्
D3	মিঅম'গ্রী'মন'ঘৰিব'র্মির'ঘামথ'ঘা the luminous nature of the mind	यट्रे.योचेवोबाःश्वेटःस्.योचेबाःस्याच्याः वट्टे.योचेवोबाःसःस्या
D4	र्गे'नेबा order, sequence	मिन् रम् वीषा क्षेत्रा मुन्य भी विष्ट रम् स्वाया मिन् रम्य स्वाया मिन् रम्य स्वाया मिन् रम्य स्वाया मिन् रम्य
D5	র্ম্বি'ব্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র	र्स्य-८्र्य ऱ्याच्यायायायायायायायायायायायायायायायायाय



D6	গ্ৰহণ scripture, text with established validity	याबिट. चुर. लयो. पट्टी. जी. तयी ट्री. क. ज. सूर्या स्टा. जी. पट्टी. स्ट्री. स
D7	ব্ৰু'ম'বৰি'ব্ৰক্কু'ম্ the <i>Madhyamika</i> (text), <i>The Four Hundred (Verses)</i>	न्यत्र्यात्र्यम्यात्रात्र्यः स्ट्रा न्यत्र्यात्र्यम्यात्रात्रः स्ट्रा न्यात्र्यात्र्यम्यात्रात्रः स्ट्रा
D8	ସର୍ଶିମ୍ 'କ୍ଷୟ' ଷ'ଧାର 'ଧା non-meritorious (actions)	अ'भीव'राप्टे'लब'मिन्नेबार्स्ट्'व्रब्बाणी'लब'र्ट्ट्'रार्बेट्'व्रब्बा
D9	ঘৰ্ন্ত্ৰ্বা to abolish, to eliminate	न् क्रिंत प्र क्रिंत प्र क्रिंत प्र क्रिंत
D10	지국'万] Between, in the middle.	ल.म्र्रेज.थ.यर्चर.सूट.। व.सट.वर्षिट.क्ट्रब.सेचब.ज.चर्षेष्ठ.पट्ट्रबे.ट.वर्षेथ्व.ग्री.चर.
E1	মহান সা at the end, finally	स्त्रीत्र मुत्रान्त्र स्वतः साने त्या वा वा वा वा व्या व्या व्या वे व्या वे व्या वे व्या वे व्या वे व्या वे व्य
E2	ह्र'यावि'गुव् the basis of all views	क्षु'ग्रिनेर'त्र'क्षु'य'र्कट'स्रियावि'त्य'त्रेर'ग्री'र्पेट्'रेट्।
E3	र्छ्य how to, the way to	मेन्। बे.क्ट.बादे.चब्रब.बॅ्रं.बार्हेट. इट्य (क्वि) पट.बी.लूट.बा.
E4	বদ্ধানেইৰা clinging to the self, conception of a self	यम्षा'तह्र्य,में.पर्ध्य,मिंद्र
E5	<u> </u>	नन्ग तह्र्य इट हिन ये त्र्र्य न न्या मूल मुं र मुं र न्ये



৩৩| | শ্র্'ব্র'ব'ইর'ক্টর'ব≡ের্বি'শ্ল্ব'শ্লুর'র্শ্লুব'র্শ্লুব'র্শ্লুব'র্জুর'র্জুব'র্জুর'র্জ্রার'র্জ্জুর'র্জ্বর'র্জ্বর'র্জুর'র্জুর'র্জ্বর'র্জ

	to abandon, to give up	
E6	यम्बा अम् या	यट्गा भ्रेट्रायते क्षाया दे वटा यति खुवा ब्राट्स था थेवा यति क्षा
	selflessness	य:र्डेग:रेट्।
E7	हें ग्राया	क्रॅंट रा नेट में वाया या वा व्यव क्षा र्य क्रिंव वया व्यव स्ति
	to realize, to fully understand	
E8	<u> यथल. ब्रूंट. ब्रेट. प्टिय.</u>	वायलःक्ष्रॅटः चुटः तह्वा चेरः धवा देः ह्यायः खेवायः ग्रीः वृष्ययः
	the union of clarity and emptiness	येव हिर्ग रेट्। वेंद्र ग्राया पर हेंद्र पा नित्र चुंदर द्वेया
	, I	वर्षाः तुरुष्णः सुः त्येवः दाः त्यः चेरः ग्रीः व्यंदः सेद्